Roll No. .....

AH–5501

B. A. (First Semester)

Ability Enhancement Course (AEC-03)

EXAMINATION, Dec.-Jan., 2024-25

HINDI LANGUAGE

Time : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–क

1. बहुविकल्पीय प्रश्न : 5×1=5

(अ) निम्नांकित में शुद्ध शब्द छाँटिए :

(i) परिस्थित (ii) कवियित्री

(iii) आर्शीवाद (iv) नरक

P. T. O.

(ब) समश्रुत शब्द-युग्म 'अंस और अंश' का क्रमशः उपयुक्त अर्थ है :

(i) घर और भाग

(ii) कंधा और भाग

(iii) गुणा और भाग

(iv) कोना और भाग

(स) "भोलराम ने दरख्वास्तें तो भेजी थीं, पर उन पर वजन नहीं रखा था।" बाबू के इस कथन में उसका वजन से क्या अभिप्राय था ?

(i) भार

(ii) पेपर-वेट

(iii) किलोग्राम

(iv) रिश्वत

(द) 'भारत वंदना' कविता के रचयिता हैं :

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ii) सुमित्रानंदन पंत

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) जयशंकर प्रसाद

(य) अनेकार्थक शब्द 'अमृत' का अर्थ नहीं होगा :

(i) सुधा

(ii) धान

(iii) जल

(iv) पृथ्वी

2. लघु उत्तरीय प्रश्न : 5×2=10

(i) उपसर्ग और प्रत्यय का अंतर सोदाहरण समझाइए।

(ii) विलोम शब्द का अभिप्राय समझाते हुए निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के विलोम बताइए :

(क) अग्रज

(ख) अपेक्षा

(ग) कृष्ण

(iii) निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए :

(क) मैं सप्रमाण सहित कह सकता हूँ कि वह झूठा है।

(ख) ऐसी एकाध बातें और देखने में आती है।

(iv) निम्नलिखित के हिन्दी पदनाम लिखिए :

(अ) Reporter

(ब) Ambassador

(स) Auditor

(द) Vice-Chancellor

(v) अपठित गद्यांश का महत्व समझाइए।

भाग–ख

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 4×5=20

3. हरिशंकर परसाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए 'भोलाराम का जीव' पाठ का सारांश लिखिए।

अथवा

'चोरी और प्रायश्चित' की घटना ने महात्मा गांधी के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया ? पाठ के आधार पर उल्लिखित प्रसंगों का वर्णन कीजिए।

4. संधि के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए स्वर संधि के भेदों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

समास की परिभाषा बताते हुए उसके भेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

5. भाषा में मुहावरे एवं लोकोक्ति के महत्व को रेखांकित करते हुए उनमें अंतरों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्द से क्या आशय है ? पारिभाषिक शब्द की विशेषताएँ बताइए।

6. 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020' विषय पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक तथा सारांश लिखिए :

"बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति एवं सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को पलभर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं।

पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, सम्पूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है। सच तो यह है कि सुनना भी एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता।

रहीम ने ठीक ही कहा था–"सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल-मंत्र है। लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।